तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशिल्स जज
14/8/24	पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष उपस्थित। प्रतिवादी द्वारा प्रस्तुत किये गये अन्तर्गत धारा 10 एवं 151 जा. दी. को स्वीकार किया जाता है। इसलिए वाद पत्र में कोई आगामी कार्यवाही को सम्पादित किया जाना न्यायसंगत नहीं है। अतः पत्रावली दिनांक 13/2/25 को पेश हो। (हस्ताक्षर) 14/08/24
13/2/25	पत्रावली पेश हुई/वकील उभय पक्ष एवं गवाह श्री......पार्थी को स्थगित उपस्थित......किया जाए .... अतः पत्रावली पूर्वादेशानुसार दि. 2/4/25 को पेश हो। (हस्ताक्षर)
02/4/25	पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उपस्थित। पत्रावली में प्रस्तुत किये गये प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 10 एवं 151 स्वीकार होने से पत्रावली में कार्यवाही स्थगित है। पत्रावली दिनांक 24.9.25 को पेश हो। (हस्ताक्षर) 02/04/25
24/9/25	पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उपस्थित। पत्रावली में प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 10 एवं 151 स्वीकार होने से पत्रावली में कार्यवाही स्थगित किये जाने से पत्रावली को नियमित रूप से पैशी में चलाना उचित नहीं है। वादग्रस्त आराजी बाबत प्रकरण सिविल न्यायालय में जेरकार है वहाँ से निर्णीत होने में समय लगने से इस पत्रावली को जाबित रखा जाना उचित नहीं है। इसलिए पत्रावली में कार्यवाही को स्थगित (प्रभाव) की जाती है। पत्रावली में निर्णय सुनाया गया। वादी/पक्ष के आवेदन पत्र पर पत्रावली को पुनः सुनवाई में ली जावे। वकील उभय पक्ष उपस्थित। (हस्ताक्षर) 24/9/25

Signature Not Verified
Digitally signed by Ishwar Lal Khatik
Date: 2026.01.20 17:31:01 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner